

हार को अपनी भूल गया प्रभु | by Sanjay Pareek

हार को अपनी भूल गया प्रभु
जबसे तेरा साथ मिला
मेरा दामन थाम लिया प्रभु
मेरा दामन थाम लिया मुझे
सिर पे तेरा हाथ मिला
हार को अपनी

सूना पड़ा था जीवन मेरा तूने ही गुलज़ार किया
तेरे दर से इतना मिला मुझे तूने इतना प्यार दिया
तूने इतना प्यार दिया.....
तेरे सिवा मेरा कोई नहीं है
तेरे सिवा मेरा कोई नहीं जो
बिन मतलब के साथ चला
हार को अपनी

जब जब मैंने याद किया तुझे जो माँगा वो पाया है
मेरे दुःख को हल्का करके सिर पे हाथ फिराया है
सिर पे हाथ फिराया है

इस नालायक दीन को दाता तुझ सा दीनानाथ मिला
हार को अपनी

मेरे एक एक आंसू को प्रभु हीरे सा तूने मोल दिया
मेरी औकात से बढ़ कर तूने प्यार में अपने तोल दिया
प्यार में अपने तोल दिया.....
पंकज तुझसे क्यों ना मांगे रहमतों का सिलसिला
हार को अपनी

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b0-%e0%a4%95%e0%a5%8b-%e0%a4%85%e0%a4%aa%e0%a4%a8%e0%a5%80-%e0%a4%ad%e0%a5%82%e0%a4%b2-%e0%a4%97%e0%a4%af%e0%a4%be-%e0%a4%aa%e0%a5%8d%e0%a4%b0%e0%a4%ad%e0%a5%81-by-sanjay-pa/>